सांध्य दैनिक 4PM

जिद...सच की

www.4pm.co.in www.facebook.com/4pmnewsnetwork @Editor_Sanjay YouTube @4pm NEWS NETWORK

● वर्ष: 9 ● अंक: 19 ● पृष्ठ: 8 ● लखनऊ, सोमवार, 20 फरवरी, 2023

मूल्य ₹ 3/-

बुराई को देखना और सुनना ही बुराई की शुरुआत है।
-कन्फ्यूशियस

भारत जोड़ो यात्रा से हताश है... 8 | अखिलेश सजा रहे हैं जीत वाला... 3 | कांग्रेस के बिना विपक्ष का कोई भी... 7

शर्मनाक : विधानसभा शुरू होने से पहले ही पत्रकारों से की गयी बदसलूकी, सपा का हंगामा

फोटो: सुमित कुमार

» हंगामे के बीच राज्यपाल ने पूरा किया अभिभाषण

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। राज्य विधान सभा में हंगामें के साथ बजट सत्र का शुभारंभ हो गया। सत्र की शुरुआत राज्यपाल के अभिभाषण के साथ हुई। राज्यपाल के अभिभाषण के बीच सपा के विधायक वैल में आए। राज्यपाल वापस जाओ के नारे लगाए। हंगामा करते हुए नारे लगा रहे है कि संविधान विरोधी सरकार नहीं चलेगी, ये जनता का पैसा खाते है घपलेबाज सरकार चलाते हैं। वहीं सत्र को मंगलवार तक के लिए स्थगित कर दिया गया है।

सत्र से पहले सड़क पर प्रदर्शन

शिवपाल सिंह यादव की अगुवाई में सपा के विधायक धरने पर बैठे

उत्तर प्रदेश विधानमंडल के बजट सत्र की शुरुआत से पहले सोमवार को समाजवादी पार्टी के विधायकों ने जमकर प्रदर्शन शुरू कर दिया। शिवपाल सिंह यादव की अगुवाई में सपा के विधायक विधानसभा के बाहर हाथों में तख्ती लेकर धरने पर बैठ गए। भारी संख्या में पुलिस बल की तैनाती है। मार्शलों के साथ नोंकझोंक भी हुई है।

पौधे को नहीं बचा पा रहे हैं, वह इन्वेस्टमेंट कहां से लाएंगे : अखिलेश यादव

उधर, सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव ने कहा कि जो लोग इन्वेस्टर समिट में लगाए पौधे को नहीं बचा पा रहे हैं वह इन्वेस्टमेंट कहां से लाएंगे। रामचरितमानस पर स्वामी प्रसाद मौर्य के बयान पर अखिलेश यादव ने कहा कि इसका जवाब सदन में देंगे। उन्होंने

कहा कि ये सरकार वो झूठी सरकार है जिसने कहा कि एक लाख करोड़ रुपए मंडी के इंफ्रास्टक्चर के लिए देंगे, आप बताइए उत्तर प्रदेश में इन्होंने एक भी मंडी बनाई? दोनों सरकारों ने मिलकर हमारे गांव, गरीबों को लूटा है और बेरोजगारी चरम सीमा पर है। कानून व्यवस्था भी ध्वस्त है।

सकारात्मक माहौल में चर्चा हो : योगी

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि सदन की उच्च गरिमा और मर्यादा को बनाए रखते हुए गंभीर चर्चा को आगे बढ़ाने से लोकतंत्र के प्रति आमजन की आस्था बढ़ती है। प्रदेश सरकार राज्य के विकास एवं जनकल्याण से जुड़े मुद्दों पर सदन में चर्चा के लिए तैयार है। विधानसभा में सकारात्मक माहौल में चर्चा होनी चाहिए। संसदीय परंपराओं का पालन करते हुए सभी सदस्यों को अपने सुझावों एवं मुद्दों को सदन में रखना चाहिए।

पत्रकारों से की हाथापाई, कवरेज से रोका

विधानसभा मार्शल ने मीडिया को हटने के लिए कहा है। मीडिया को कवरेज करने से रोका जा रहा है। विधानसभा के गेट नंबर एक पर शिवपाल यादव की अगुवाई में सपा के विधायकों ने हाथ में तख्ती थामे हुए चौधरी चरण सिंह की प्रतिमा तक जाने की मांग पर अड़ गए। मनोज पांडेय, मन्नू अंसारी समेत समाजवादी पार्टी के सभी विधायक धरने में शामिल हैं। पुलिस, सुरक्षाबल, विधानसभा के

सुरक्षाकर्मी, मार्शल, पीएसी की भारी संख्या में तैनाती है। शिवपाल यादव ने कहा कि कानून व्यवस्था और जनता से जुड़े मुद्दों को लेकर प्रदर्शन किया जा रहा है। सपा विधायकों की पुलिस के नोंकझोंक हुई। मीडियाकर्मियों को भी वहां से दूर किया गया। सोमवार की सुबह बजट सत्र की शुरुआत से पहले भारी संख्या में पुलिस बल विधानसभा के बाहर मौजूद रहे।

विज्ञापनों या बड़बोले बयानों से अव्यवस्था को नहीं छुपा सकते : अखिलेश यादव

» प्रदेश में स्वास्थ्य सेवाएं बदहाली के स्तर पर पहुंची

» भाजपा सरकार ने खुद तो कुछ किया नहीं जो सुविधाएं थीं उन्हें भी बर्बाद कर दिया

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। समाजवादी पार्टी के अध्यक्ष अखिलेश यादव ने कहा कि विज्ञापनों या बड़बोले बयानों से अव्यवस्था को छुपाया नहीं जा सकता है। पूर्व सीएम ने कहा कि प्रदेश में स्वास्थ्य सेवाएं बदहाली के स्तर पर पहुंच गई हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि अस्पतालों में दवा और इलाज दोनों का अभाव है। मुख्यमंत्री के तमाम दावों के बावजूद अस्पतालों की दशा सुधरने का नाम नहीं ले रही है। सपा अध्यक्ष ने कहा कि कन्नौज में जिला अस्पताल की ऐसी दुर्दशा है कि यहां के लोग दूसरे जिलों में इलाज के लिए जाने लगे हैं। यहां भाजपा सरकार ने समाजवादी सरकार के समय की व्यवस्था को बर्बाद कर जनता को बीमार रहने को बाध्य कर दिया है। राजधानी लखनऊ के ही अस्पतालों में बीमार लोगों को समय से इलाज नहीं मिल पाता है। दिल के कई मरीज इलाज के अभाव में दम तोड़ चुके हैं।

पीजीआई में चार दिनों से भर्ती होने के लिए गाजीपुर की महिला भटक रही थी। उसे 20 साल से दिल की बीमारी थी। समय से इलाज न मिलने से उसकी रात को टिन शेड के नीचे बैठे-बैठे मौत हो गई। भाजपा सरकार ने खुद तो कुछ किया नहीं जो सुविधाएं थीं उन्हें भी बर्बाद कर दिया। सिर्फ प्रचार और भ्रष्टाचार ही भाजपा सरकार में हो रहा है। यह सरकार पूरी तरह संवेदनहीन और जनविरोधी है।

सपा विधायक अरमान खान ने किया जलाभिषेक

लखनऊ। बुद्धेश्वर मंदिर में सपा विधायक अरमान खान ने महाशिवरात्रि पर जलाभिषेक किया। इस पर हिंदू संगठनों ने विरोध जताते हुए शिवलिंग का गंगाजल से शुद्धीकरण किया है। अरमान खान पश्चिम विधानसभा सीट से विधायक हैं। बुद्धेश्वर मंदिर लखनऊ के पश्चिम में आता है। महाशिवरात्रि पर सपा विधायक अरमान खान ने जलाभिषेक किया। इसकी जानकारी अतंरराष्ट्रीय हिंदू महासंघ भारत के राष्ट्रीय अध्यक्ष सुनील शुक्ला और बाबा बुद्धेश्वर धाम प्रचार प्रसार समिति अध्यक्ष अनूप शुक्ला की अगुवाई में विरोध प्रदर्शन किया। एकत्र होकर पहले जमकर हंगामा किया। वहीं, मंदिर पुजारी रामू पुरी ने कहा कि चुनाव जीतने के बाद मंदिर का निरीक्षण करने विधायक आए हैं, लेकिन उस समय उन्होंने पूजा-अर्चना नहीं की थी। वहीं, सपा विधायक अरमान खान को मंदिर ले जाने वाले बुद्धेश्वर विकास महासभा प्रदेश अध्यक्ष राजेश शुक्ला ने कहा कि सभी धर्मों के लोगों का मंदिर में स्वागत है। बता दें कि सपा विधायक ने महाशिवरात्रि पर भंडारा कराया था और जलाभिषेक किया था।

रामचरित मानस की चौपाई का विरोध फायदे की राजनीति अनूप जलोटा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

गोरखपुर। भजन सम्राट पद्मश्री अनूप जलोटा रामचरित मानस की चौपाई की आलोचना करने वालों को नकारात्मक सोच वाला बता रहे। साथ ही इसे राजनीतिक फायदे के लिए उठाया गया कदम करार दे रहे हैं। उनके अनुसार सकारात्मक सोच के लोग ताड़ना का तारने के अर्थ में लेते हैं, जबकि नकारात्मक सोच वाले इसका अर्थ मारपीट निकालते हैं।

मानस की चौपाई की प्रतियां जलाने वाले लोगों पर तंज करते हुए जलोटा ने कहा कि यह लोग बहुत देर से जगे हैं। मानस सैकड़ों वर्ष पहले लिखा गया, मगर आज तक किसी ने कोई सवाल नहीं उठाया। आज अचानक इस बात को उठाने का सीधा मतलब राजनीतिक फायदा लेना है। उन्होंने कहा कि केवल रामचरित मानस पढ़ लेने से बात नहीं बनेगी, इसे जीवन में उतारने की जरूरत है।

सभी दलों को भाजपा से सर्तक रहने की जरूरत : उद्धव

» चुनाव आयोग के फैसले के बाद बोले पूर्व सीएम

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

मुंबई। शिवसेना (उद्धव बालासाहेब ठाकरे) अध्यक्ष उद्धव ठाकरे ने कहा कि चुनाव आयोग की ओर से महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे के नेतृत्व वाले गुट को असली शिवसेना मानने के फैसले के बाद सभी पार्टियों को अपनी आंखे खुली रखने और सतर्क रहने की जरूरत है। चुनाव आयोग ने शिंदे नीत गुट को वास्तविक शिवसेना के तौर पर मान्यता देते हुए पार्टी का चुनाव निशान 'धनुष बाण' को भी उसे आवंटित कर दिया था।

यह फैसला ठाकरे के लिए झटका माना जा रहा है क्योंकि उनके पिता बाल ठाकरे ने साल 1966 में इस पार्टी की स्थापना की थी। उत्तर भारतीय समुदाय के लोगों से यहां संवाद करते हुए उद्धव ठाकरे ने कहा कि जो शिवसेना के साथ हुआ, जिस तरह से हमारे साथ व्यवहार किया गया, वह आपके साथ भी हो सकता है। सभी पार्टियों को अपनी आंखे खुली रखनी चाहिए और सतर्क रहना चाहिए। भारतीय जनता पार्टी (बीजेपी) पर निशाना साधते हुए उन्होंने कहा कि आप मेरे पिता का चेहरा चाहते हैं लेकिन उनके बेटे का नहीं। मैं आपके साथ आने को तैयार था। जब मैं अपने पिता को दिए वादों को पूरा करना चाहता था तब आप मुझे धोखा देंगे तो मैं क्या करता?

चुनाव आयोग के फैसले के खिलाफ सुप्रीम कोर्ट पुहंचे ठाकरे

निर्वाचन आयोग के फैसले के खिलाफ ठाकरे गुट ने सुप्रीम कोर्ट का दरवाजा खटखटाया है। निर्वाचन आयोग ने शुक्रवार को शिंदे गुट को वास्तविक शिवसेना के तौर पर मान्यता देते हुए पार्टी का चुनाव निशान 'धनुष बाण' को भी उसे आवंटित कर दिया था। अब इसी मसले पर चुनाव आयोग के फैसले के खिलाफ सुप्रीम कोर्ट पहुंचे उद्धव ठाकरे गुट ने कहा कि चुनाव अयोग ने हमारे तर्कों को पूरी तरह नजरअंदाज किया। इस मामले में सुप्रीम कोर्ट से जल्द सुनवाई की मांग की गई।

मेघालय के खासी, गारो और जयंतिया का सारा पैसा दिल्ली के पास गया : अभिषेक बनर्जी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

कोलकाता। तृणमूल कांग्रेस के महासचिव और सांसद अभिषेक बनर्जी ने कहा है कि तृणमूल कांग्रेस की भ्रष्टाचार के प्रति नीति बिल्कुल साफ है। तृणमूल की नीति जीरो टॉलरेंस की नीति है। उन्होंने कहा कि अगर मेघालय में तृणमूल कांग्रेस की सरकार बनी तो भ्रष्टाचारियों को जेल की सलाखों के पीछे भेजेंगे। साथ ही केंद्रीय गृह मंत्री शाह को भी चुनौती दे डाली।

उन्होंने कहा, मैं अमित शाह को चुनौती देता हूं, वे मेघालय में भ्रष्टाचार की बात करते हैं, अगर उनमें हिम्मत है तो वे मेघालय के मुख्यमंत्री कॉनराड संगमा पर कार्रवाई करके दिखाएं। अभिषेक बनर्जी ने कहा, कि यह कितनी हैरान करने वाली बात है कि भाजपा अब कह रही है कि वे पिछले पांच साल से सरकार चलाने वालों के खिलाफ कार्रवाई करेंगे। लेकिन वे तो सत्ता में थे। तब वे क्या कर रहे थे। उन्होंने पूछा, क्या अमित शाह अपने ही खिलाफ कार्रवाई करेंगे? क्या अमित शाह मेघालय के मुख्यमंत्री कॉनराड संगमा के खिलाफ कार्रवाई करेंगे? मैं अमित शाह को चुनौती देता हूं, वह कॉनराड संगमा के खिलाफ कार्रवाई करके दिखाएं। वह ऐसा नहीं करेंगे क्योंकि सारा पैसा उनके और दिल्ली के पास चला गया। मेघालय के खासी, गारो और जयंतिया का सारा पैसा गुजरात, असम और मध्यप्रदेश में बैठे लोगों के पास गया है। वे कैसे कार्रवाई करेंगे।

बीजेपी कोयल की तरह : ममता

कोलकाता। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने बांकुड़ा में कहा है सारे साल बीजेपी के नेता कहीं दिखाई नहीं देते हैं। जैसे ही चुनाव होता है, वह कोयल की तरह के घोसलें में अंडे देने चले आते हैं। इतनी चालाकी से काम करते हैं ताकि किसी को कुछ समझ ना आए। उसके बाद का कोई पता नहीं रहता। जनसभा से मुख्यमंत्री ने केंद्र सरकार पर जमकर गुस्सा उतारा मुख्यमंत्री ने कहा कि केंद्र सरकार न ही आवास योजना के पैसे दे रही है। ना ही 100 दिनों के रोजगार के। सरकार गरीबों को पैसे को लेकर खिलवाड़ कर रही है। कि ममता बनर्जी ने कहा कि हर राज्य से टैक्स ली जाती है तब केंद्र सरकार पैसे जमा कर दी है पैसे हमारे ही हैं लेकिन हमें नहीं दिए जा रहे हैं।

शिवसेना मामले में नहीं पड़ना चाहता : शरद पवार

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

पुणे। राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (एनसीपी) प्रमुख शरद पवार ने शिवसेना विवाद से दूरियां बनाते हुए साफ कर दिया कि वो इस विवाद में नहीं पड़ना चाहते हैं। शरद पवार ने पुणे के बारामती शहर में कहा कि मैं एकनाथ शिंदे को दिए गए नाम और प्रतीक चिह्न के विवाद में नहीं पड़ना चाहता हूं। शरद पवार ने रविवार को कहा कि मैं एकनाथ शिंदे को दिए गए नाम और प्रतीक चिह्न के विवाद में नहीं पड़ना चाहता। मैं पहले ही अपना स्पष्टीकरण दे चुका हूं।

इसी बीच अमित शाह की पुणे यात्रा से जुड़े सवाल पर उन्होंने कहा कि भाजपा नेता यहां पर सहकार महा कॉन्क्लेव के लिए आए थे। शरद पवार ने शनिवार को शिवसेना (उद्धव बालासाहेब ठाकरे) के प्रमुख उद्धव ठाकरे को नसीहत देते हुए कहा था कि इससे कोई बड़ा प्रभाव नहीं पड़ने वाला है। लोग नए प्रतीक को स्वीकार कर लेंगे। उन्होंने कहा था कि चुनाव आयोग के फैसले को स्वीकार करें और नया चिह्न लें।

बामुलाहिजा

कार्टून: हसन जैदी

अखिलेश सजा रहे हैं जीत वाला मैदान

ओबीसी-दलित-मुस्लिम को अपने पाले में करने की कोशिश

भाजपा को दे सकते हैं आगामी चुनाव में कड़ी चूनौती

2024 लोकसभा चुनाव पर नजर

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। जैसे-जैसे लोकसभा चुनाव 2024 करीब आते जा रहे हैं। पार्टियां अपनी सियासी तलवारों को धार देने में जुट गई हैं। यूपी की प्रमुख विपक्षी समाजवादी पार्टी भी तेजी से काम करती दिख रही है। जहां सपा प्रमुख ने अपनी नई टीम तैयार की है। इस टीम में उन्होंने हर वर्ग केलोगों को जगह दी है। उनकी पूरी रणनीति ऐसी है हर तबके तक सपा की पहुंच बढ़े और वह वोटों में बदले। पर उनकी रणनीति कितनी कारगर होती है यह तो आने वाले लोक सभा चुनाव के परिणाम बताएंगे। इसी के तहत अखिलेश यादव ने गाजीपुर से लोकसभा चुनाव प्रचार अभियान का आगाज भी किया।

बता दें यूपी विधानसभा चुनाव 2022 में गाजीपुर जिले की सभी सीटों पर समाजवादी पार्टी गठबंधन ने कब्जा जमाया है। हालांकि यहां की दो सीटें सुभासपा ने भी जीती हैं, जो अब सपा के साथ नहीं है। बहरहाल, गाजीपुर से अखिलेश ने चुनाव अभियान का आगाज करते हुए संदेश देने की कोशिश की कि पूर्वांचल में वह अपनी पूरी ताकत झोंकेंगे।

हर चुनाव से पहले कुछ नया प्रयोग करने वाले पार्टी के मुखिया अखिलेश यादव इस बार भी एक और नया राजनीतिक प्रयोग करते दिख रहे हैं। समाजवादी पार्टी को इस रणनीति का लाभ मिलेगा या नहीं ये तो चुनाव परिणाम ही बताएगा। लेकिन अखिलेश तेजी से अपनी रणनीति पर काम करते दिख रहे हैं। इस नए प्रयोग में वह मुसलमानों को अपना मानकर चल रहे हैं, जिसने 2022 विधानसभा चुनाव में करीब-करीब एकमुश्त सपोर्ट किया। वहीं दूसरी तरफ वह पार्टी का बेस वोट बैंक यादवों के साथ पूरा पिछड़ा वोटबैंक और दलितों को भी जोड़ने पर पूरा जोर लगा रहे हैं। इस जाति की सियासत में अखिलेश सॉफ्ट हिंदुत्व की छवि भी खड़ी करने की कोशिश में दिख रहे हैं।

धीरे-धीरे रणनीति बना रहे सपा मुखिया

पिछले कुछ दिनों की प्रमुख घटनाओं पर नजर डालें तो समाजवादी पार्टी की स्थिति स्पष्ट होने में मदद मिलेगी। शुरुआत स्वामी प्रसाद मौर्य के रामचरित मानस पर दिए गए बयान से। पहले ये बयान बिहार के मंत्री की तरफ से आया बाद में स्वामी प्रसाद मौर्य ने इसे आगे बढ़ा दिया। स्वामी का बयान आया तो शुरू में ऐसा लगा कि सपा शायद इसके लिए तैयार नहीं थी। फौरन पार्टी की तरफ से इस बयान से किनारा करने की कोशिश हुई। लेकिन इसके बाद अखिलेश यादव का 'शूद्र' बयान आया, जिसके बाद साफ हो गया कि ये पार्टी की सोची-समझी रणनीति का हिस्सा है। स्वामी प्रसाद मौर्य के साथ खुलकर खड़े हैं अखिलेश यादव, दो महिला नेताओं पर कार्रवाई के जरिए हो गया साफ हालांकि समाजवादी पार्टी में ही एक धड़ा स्वामी के बयान से नाराज दिखा और विरोध शुरू हो गया लेकिन इस धड़े की आवाज ज्यादा तेज नहीं सुनाई दी। अखिलेश यादव जातीय जनगणना का मुद्दा उठा रहे थे, वहीं दूसरी तरफ वह काशी दौरे पर गए और यहां उन्होंने काशी विश्वनाथ मंदिर में दर्शन पूजन किया। अखिलेश यादव के इस कदम को लखनऊ के सियासी गलियारों में 'सॉफ्ट हिंदुत्व' से जोड़कर देखा गया। माना गया कि हिंदुत्व के मुद्दे पर भाजपा इस समय सबसे ज्यादा मजबूत है लिहाजा अखिलेश इस रास्ते विरोधियों को कोई मौका नहीं देना चाहते। बता दें पिछले लोकसभा चुनाव 2019 में अखिलेश की सपा ने बसपा के साथ गठबंधन किया था और सिर्फ 5 सीटें ही जीत सकी थी। उसमें से भी आजमगढ़ और रामपुर की सीट सपा गंवा चुकी है।

स्वामी को लगातार आगे बढ़ा रही सपा

लखनऊ के होटल में सपा नेता स्वामी प्रसाद मौर्य और अयोध्या में हनुमानगढ़ी के महंत राजू दास के बीच हाथापाई सामने आ गई। मामले में दोनों पक्षों की तरफ से आरोप-प्रत्यारोप का दौर शुरू हो गया। लेकिन अखिलेश यादव या समाजवादी पार्टी की तरफ से इस मुद्दे पर सीधे-सीधे कुछ नहीं कहा गया। साफ लगा कि अखिलेश यादव स्वामी के साथ तो हैं लेकिन पार्टी और खुद किसी विवाद में पड़ने से बच रहे हैं। अब इसी क्रम में अखिलेश यादव के दो और एक्शन चर्चा में आ गए हैं। दरअसल समाजवादी पार्टी ने अपनी दो प्रमुख सवर्ण महिला नेताओं रोली तिवारी मिश्रा और ऋचा सिंह को समाजवादी पार्टी से निष्कासित कर दिया है। खास बात ये थी कि ये दोनों ही नेता स्वामी प्रसाद मौर्य के बयानों का विरोध कर रही थीं। इन दोनों ही नेताओं ने सपा पर आरोप लगाया कि बिना उनसे कोई जवाब मांगे एकतरफा कार्रवाई कर दी गई। वहीं समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय सचिव राजेन्द्र चौधरी ने कहा है कि राष्ट्रीय अध्यक्ष के निर्देशानुसार सभी कार्यकर्ताओं, पार्टी नेताओं, पदाधिकारियों तथा टी.वी. पैनलिस्ट को यह बात ध्यान में रखना चाहिए कि समाजवादी पार्टी डॉ लोहिया के आदर्शों से प्रेरणा लेकर लोकतंत्र, धर्मनिरपेक्षता और समाजवाद में आस्था रखती है। पार्टी का उद्देश्य जनसामान्य को प्रभावित करने वाले मुद्दों पर पार्टी की नीति और कार्यक्रम को जन-

जन तक पहुंचाना है। सत्तारूढ़ दल लगातार बुनियादी मुद्दों से भटकाने का काम करता है। हमें उनके बहकावे में नहीं आना है। इसलिए सभी को साम्प्रदायिक मुद्दों पर बहस से परहेज करना चाहिए। हमें राजनीतिक चर्चा और बुनियादी सवालों पर ही अपना पूरा ध्यान रखना है। धार्मिक मुद्दा संवेदनशील मुद्दा है। हमें अनायास उससे सम्बन्धित बहसों में नहीं उलझना चाहिए। ये घटनाक्रम साफ इशारा कर रहे हैं कि अखिलेश यादव जाति की राजनीति करना चाहते हैं, यादवों के साथ पिछड़ी जातियों और दलितों को भी साथ लाना चाहते हैं लेकिन हाथ जलाना नहीं चाहते। वह खुद को आस्थावान भी दिखाकर बीजेपी की हिंदुत्व पिच के बगल में खड़े होकर 'सॉफ्ट पिच' पर खेल सजाना चाहते हैं। आंकड़ों के अनुसार यूपी में ओबीसी वोट बैंक के साथ दलितों, मुस्लिमों को जोड़ दें तो सीधे-सीधे आंकड़ा 80 प्रतिशत तक पहुंच जाता है। जाहिर है समाजवादी पार्टी को अपनी अपर कास्ट महिला नेताओं को बाहर का रास्ता दिखाने में कोई झिझक नहीं हुई।

तेरा राम जी करेंगे बेड़ा पार : कर्नाटक सरकार राज्य में बनवाएगी राम मंदिर

कहीं राम चरित मानस तो कहीं मंदिर तैयार होने की तारीख पर चर्चा

राम बने राजनीति के सबसे चर्चित चेहरे

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। ऐसा लगता है अब राम, हिंदु राष्ट्र, ज्योर्तिलिंग भारत की राजनीति के सबसे फायदेमंद मुद्दे हो गए हैं। जहां बीजेपी अयोध्या में राम मंदिर निर्माण की तारीख बताकर विपक्ष को चिढ़ा रही तो यूपी में सपा राम चरित मानस के दोहे को लेकर भाजपा को घेर रही। तो असम व महाराष्ट्र की सरकारें भीमाशंकर ज्योर्तिलिंग पर एक-दूसरे पर वार-पलटवार कर रही है। अब कर्नाटक की बोम्मई सरकार ने नया राग छेड़ा है अपने राज्य में राममंदिर बनाने का बजटीय आवंटन करके।

कर्नाटक में टीपू की सियासत अभी थमी नहीं कि वहां राम मंदिर बनवाने की बजट में घोषणा करके बोम्मई सरकार ने दूर का दांव चल दिया। उनकी इस घोषणा का भाजपा ने हाथों हाथ लिया है। पर विपक्ष की त्यौरियां चढ़ गई हैं। कर्नाटक में अगले साल चुनाव होने हैं। ज्ञात हो कि चुनाव से पहले कर्नाटक में भाजपा सरकार ने बड़ा दांव खेल दिया है। कर्नाटक के मुख्यमंत्री बसवराज बोम्मई ने राज्य विधानसभा में बजट सत्र के दौरान राम मंदिर बनाए जाने की घोषणा की है। मुख्यमंत्री बसवराज बोम्मई ने बजट पेश करते हुए कहा कि रामनगर में भव्य राम मंदिर का निर्माण किया जाएगा। मुख्यमंत्री ने बजट सत्र के दौरान यह घोषणा करते हुए कहा कि अगले दो सालों में कर्नाटक सरकार 1,000 करोड़ के व्यय के साथ मंदिरों और मठों के व्यापक विकास और नवीनीकरण कार्य करेगी। बता दें कि कर्नाटक विधानसभा में 2023-24 के बजट पेश किया जा रहा है। यह मुख्यमंत्री बसवराज बोम्मई का दूसरा और मौजूदा कार्यकाल में भाजपा सरकार का आखिरी बजट है।

रामनगर जिले के प्रभारी मंत्री सी एन अश्वथ नारायण ने पिछले साल दिसंबर में मुख्यमंत्री बोम्मई से उत्तर प्रदेश के अयोध्या में श्रीराम मंदिर की तर्ज पर रामदेवरा बेट्टा में एक मंदिर बनाने के लिए एक विकास समिति गठित करने का आग्रह किया था। बोम्मई और मुजराई मंत्री शशिकला जोले को लिखे पत्र में उन्होंने मांग की थी कि रामदेवरा बेट्टा को दक्षिण भारत के अयोध्या के रूप में विकसित किया जाना चाहिए। नारायण ने कहा था कि रामदेवरा बेट्टा में मुजरई विभाग से संबंधित 19 एकड़ जगह का उपयोग करके राम मंदिर का निर्माण किया जाना चाहिए। मंत्री के अनुसार, क्षेत्र के लोगों में एक दृढ़ विश्वास है कि सुग्रीव ने रामदेवरा बेट्टा को स्थापित किया था। जिले के लोगों की धार्मिक भावनाओं को ध्यान में रखते हुए, इसे एक विरासत और आकर्षक पर्यटन स्थल के रूप में विकसित किया जाना चाहिए। इससे हमें अपनी संस्कृति को चित्रित करने के साथ-साथ पर्यटन का पोषण करने में भी मदद मिलेगी। वे यह भी मानते हैं कि सात महान संतों ने यहां अपनी तपस्या की थी। इसके अलावा, यह देश में एक प्रमुख गिद्ध संरक्षण क्षेत्र है।

त्रिपुरा चुनाव से पहले शाह ने अलापा था राम मंदिर

अमित शाह ने त्रिपुरा में एक जनसभा के दौरान कहा था कि अयोध्या में अगले साल 1 जनवरी को भव्य राम मंदिर का उद्घाटन हो जाएगा। जनसभा में अमित शाह ने कांग्रेस पर भी बड़ा हमला किया। शाह ने कहा कि मैं यहां एक बात बताने आया हूं। 2019 में बीजेपी का अध्यक्ष था। उस समय राहुल गांधी कांग्रेस के अध्यक्ष थे। शाह ने कहा कि उस समय राहुल बाबा रोज पूछते थे। मंदिर वहीं बनाएंगे, तारीख नहीं बताएंगे। बीजेपी नेता ने कहा, राहुल गांधी आज कान खोल कर सुन लें। 1 जनवरी 2024 को अयोध्या में गगनचुंबी राम मंदिर बनकर तैयार मिलेगा। शाह ने कहा कि कांग्रेस के साथ अन्य विपक्षी दल भी राम मंदिर निर्माण की तारीख को लेकर सवाल पूछते थे। चुनावी सभाओं में भी यह सवाल उठाया जाता था। अब अमित शाह के ऐलान के बाद विपक्ष को जवाब के साथ ही उनके हाथ से यह मुद्दा भी निकल गया है। शाह ने कहा कि कांग्रेस ने राम मंदिर के मुद्दे को लंबे समय तक कोर्ट में उलझाए रखा। उन्होंने कहा कि सुप्रीम कोर्ट के फैसले के बाद राम मंदिर का निर्माण का रास्ता साफ हो गया था। इसके बाद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने राम मंदिर के निर्माण को आगे बढ़ाया। सुप्रीम कोर्ट के फैसले के बाद से राम मंदिर का निर्माण कार्य जोरशोर से चल रहा है। नवंबर 2019 को सुप्रीम कोर्ट ने अयोध्या में विवादित स्थल पर राम मंदिर के निर्माण का रास्ता साफ कर दिया था। साथ ही मस्जिद के निर्माण के लिए केंद्र सरकार को 5 एकड़ का एक भूखंड आवंटित करने का निर्देश भी दिया था। शीर्ष अदालत के फैसले के बाद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 5 अगस्त 2020 को अयोध्या में राम मंदिर के निर्माण को लेकर भूमि पूजन किया था।

जिद... सच की

Sanjay Sharma
editor.sanjaysharma
@Editor_Sanjay

संयम से काम लें सेलीब्रेटी व फैन्स

सोशल मीडिया पर पृथ्वी शॉ का एक वीडियो तेजी से वायरल हो रहा है। सोशल मीडिया पर वायरल वीडियो में हाथापाई साफ तौर पर देखी जा सकती है। भारतीय क्रिकेटर पृथ्वी शॉ और लड़की के बीच हाथापाई हो रही है, वहीं, इस मामले के बाद पृथ्वी शॉ के दोस्त (आशीष यादव) की कार पर हमले की बात कही जा रही है। पृथ्वी शॉ के दोस्त की कार पर दो लोगों ने हमला किया।

भारतीय क्रिकेटर पृथ्वी शॉ एक बार फिर सुर्खियों में हैं। रणजी खेलों में अपी बैटिंग से सबका ध्यान खीचने वाले शॉ धीरे-धीरे लोकप्रिय हो रहे हैं। लोकप्रियता की वजह से क्रिकेटरों के प्रशंसक भी बढ़ते हैं। जब कभी ऐसे सेलीब्रेटी आम लोगों के बीच पहुंचते हैं तो लोगों में इनका आटोग्राफ या सेल्फी लेने की होड़ मच जाती है। इस आपाधापी में कभी-कभी सेलीब्रेटी खिझकर प्रशंसक से अभद्रता कर देते हैं, जो उचित नहीं है। आखिर सेलीब्रेटी को इस कद तक पहुंचाते तो यही प्रशंसक हैं। पर केवल सेलीब्रेटी को दोष देना ठीक नहीं है प्रशंसकों भी ध्यान देना चाहिए जिन चमकते सितारों के पीछे वे भाग रहे हैं उनको इस मुकाम पर पहुंचने के लिए मेहनत करना पड़ती है। कभी-कभी मेहनत की वजह से वह थक जाते हैं ऐसे में वह एकाकी होना चाहते हैं। जब कभी कोई नहीं मानता है तो उनसे गलत व्यवहार हो जाता है। इसलिए दोनों ही पक्षों को संयमित होकर ही एक दूसरे का सामना करना चाहिए।

गौरतलब हो कि सोशल मीडिया पर पृथ्वी शॉ का एक वीडियो तेजी से वायरल हो रहा है। सोशल मीडिया पर वायरल वीडियो में हाथापाई साफ तौर पर देखी जा सकती है। भारतीय क्रिकेटर पृथ्वी शॉ और लड़की के बीच हाथापाई हो रही है, वहीं, इस मामले के बाद पृथ्वी शॉ के दोस्त (आशीष यादव) की कार पर हमले की बात कही जा रही है। पृथ्वी शॉ के दोस्त की कार पर दो लोगों ने हमला किया। बहरहाल, पुलिस ने आरोपियों के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया है। वहीं, इसके अलावा सोशल मीडिया पर वीडियो तेजी से वायरल हो रहा है। बताया जा रहा है कि भारतीय क्रिकेटर पृथ्वी शॉ के साथ सेल्फी लेने के दौरान हाथपाई हुई। यह पूरा मामला जोगेश्वरी लिंक रोड लोटस के पेट्रोल पंप के पास का है। पृथ्वी शॉ के दोस्त की मानें तो पृथ्वी शॉ होटल से किसी और गाड़ी में बैठकर घर के लिए रवाना हुए थे, गाड़ी का शीशा तोड़ने के बाद हमने देखा कि एक सफेद रंग की कार और तीन बाइक हमारा पीछा कर रहे थे। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, पृथ्वी शॉ के दोस्त को आरोपियों ने धमकी दी कि अगर मामले को दबाना है तो वो उन्हें 50 हज़ार रुपये देना होगा, अगर उन्होंने ऐसा नहीं किया तो झूठे मामले में फंसा देंगे। वहीं, इस हादसे के बाद पृथ्वी के दोस्त टूटी कांच की गाड़ी लेकर ओशिवारा पुलिस स्टेशन पहुंचे। बहरहाल, उसकी शिकायत के आधार पर पुलिस ने सना गिल और शोबित ठाकूर के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया है। पुलिस के मुताबिक, आरोपियों के खिलाफ आईपीसी की धारा 384,143, 148,149, 427,504, और 506 के तहत मामला दर्ज कर तफ्तीश शुरू कर दी है।

(इस लेख पर आप अपनी राय 9559286005 पर एसएमएस या info@4pm.co.in पर ई-मेल भी कर सकते हैं)

कर्पूरी ठाकुर ने पिछड़े वर्ग का नया नेतृत्व तैयार किया

कपिल पाटील

मैट्रिक में प्रथम श्रेणी में पास हुआ था वो लड़का। नाई समाज का पहला शिक्षित लड़का था। घर में घनघोर गरीबी थी। बेटे की उपलब्धि से पिता की खुशी का ठिकाना नहीं था। वे बेटे को उस गाँव के सबसे पढ़े-लिखे और ऊंची जाति के मुखिया के पास ले गए। मेरा बेटा फर्स्ट क्लास आया है। इसे और आगे बढ़ना है। आप इसे आशीर्वाद दीजिए। फर्स्ट क्लास आया तो मैं क्या करूं? पहले मेरे पैर दबाओ।

अपमान और वेदना की उस घटना से कर्पूरी ठाकुर के मन को गहरी चोट पहुंची। वे दो बार बिहार के मुख्यमंत्री बने। लेकिन उस चोट ने कभी प्रतिशोध का रूप नहीं लिया। अपमान का वो दर्द उनके संकल्प को और मजबूत करता गया। बिहार के पिछड़े और अति पिछड़े, दलितों और आदिवासियों के लिए, उनके उत्थान के लिए फैसले लेने वाले वे पहले मुख्यमंत्री थे। छोटी-छोटी पिछड़ी जातियों के समूहों को उन्होंने न्याय दिलाने का प्रयास किया। उनके निर्णय आरक्षण और रियायतों तक ही सीमित नहीं थे। उन्होंने बिहार में पिछड़े वर्ग का नया नेतृत्व तैयार किया। जब उन्हें मुख्यमंत्री का पद छोड़ना पड़ा, तब उनके नाम पर कोई मकान तक नहीं था। उनका परिवार लोगों के बाल काटकर अपना जीवन यापन करता था। कर्पूरी ठाकुर जब कॉलेज में थे तो एआईएसएफ में थे। उस समय का समस्त युवा वर्ग शोषण और असमानता के विरुद्ध मार्क्स के दर्शन से प्रभावित था। लेकिन भारतीय मार्क्सवादी आंदोलन में उन्हें जाति के सवालों का जवाब नहीं मिला, इसलिए उनका झुकाव समाजवादी आंदोलन की ओर हो गया। डॉ. राममनोहर लोहिया की जाति नीति से आंबेडकरवाद का घनिष्ठ सम्बन्ध है। डॉ. राम मनोहर लोहिया और एसएम जोशी गांधी को माननेवाले समाजवादी थे। लेकिन इस समाजवादी नेतृत्व को साथ लेकर डॉ. बाबासाहेब आंबेडकर रिपब्लिकन पार्टी बनाना चाहते थे। आंबेडकर खुद को समाजवादी कहते थे। महाराष्ट्र के समाजवादी नेता और कार्यकर्ता पहले ही महाड और पर्वती के सत्याग्रह में शामिल हो चुके थे। अगर कर्पूरी ठाकुर ने समाजवादी रास्ता नहीं चुना होता तो आश्चर्य होता।

डॉ. राम मनोहर लोहिया के मंत्र

पिछड़ा पावे सौ में साठ ने उत्तर भारत की राजनीति में हलचल मचा दी। भारतीय राजनीति के क्षितिज पर ओबीसी जातियों से नए नेतृत्व का उदय हुआ। स्वयं ओजस्वी तेज के साथ। किसने किसे मुख्यमंत्री बनाया, आजकल ये दावे किए जाते हैं। लेकिन ये चर्चा व्यर्थ है। लालू प्रसाद यादव या नीतीश कुमार बिहार की राजनीति में शीर्ष पर पहुंचे तो स्वयं के प्रयासों और स्वयं की प्रतिभा से। उनके साथ उत्तर भारत के कई दलित और ओबीसी नेता खड़े रहे तो वो डॉ. राममनोहर लोहिया के वैचारिक प्रभाव से। लेकिन एक बात निश्चित रूप से कही जा सकती है कि बिहार में वैचारिक निष्ठा से राजनीति करने वाले बड़ी संख्या में थे और अब भी हैं। ये समाजवादी नेता गांधी-आंबेडकर और लोहिया-जयप्रकाश को माननेवाले थे। पिछली पीढ़ी के बीपी मंडल, रामसुंदर दास, देवेंद्र प्रसाद यादव, शरद यादव, रामविलास पासवान, रघुवंश प्रसाद हों या नीतीश कुमार या लालू प्रसाद यादव जैसे दिग्गज नेता या उनके साथ खड़े अन्य नेता जैसे राजीव रंजन सिंह, विजय चौधरी, वशिष्ठ नारायण सिंह, शिवानंद तिवारी से लेकर देवेशचंद्र ठाकूर, मनोजकुमार झा तथा कन्हैया कुमार तक, बिहार में प्रगतिशील विचार का हर नेता लोहिया, जयप्रकाश के बाद कर्पूरी ठाकुर को मानता है। हालांकि कर्पूरी ठाकुर लोहिया, जयप्रकाश जैसे दार्शनिक नहीं थे, लेकिन राजनीतिक सत्ता के माध्यम से अपनी वैचारिक निष्ठा का आविष्कार करने वाले वे पहले मुख्यमंत्री थे। सामाजिक न्याय के लिए अपनी सत्ता का त्याग करने वाले वे पहले मुख्यमंत्री थे। राजनीति में त्याग और बलिदान का महत्व शायद कम हो गया हो। लेकिन इसका सबसे पहला उदाहरण कर्पूरी ठाकुर ही हैं। पिछड़े वर्गों को न्याय दिलाने के दृढ़ निश्चय के कारण कर्पूरी ठाकुर को सत्ता छोड़नी पड़ी थी। मुंगेरीलाल कमेटी की सिफारिश पर वे सवर्णों के कमजोर लोगों को भी न्याय दिलाने वाले थे। इसके बावजूद कर्पूरी ठाकुर को मुख्यमंत्री पद से हाथ धोना पड़ा।

कर्पूरी ठाकुर की जन्म शताब्दी वर्ष शुरू होते ही एक बार फिर वही संघर्ष शुरू हो गया है। नीतीश कुमार ने जातिगत गणना और सामाजिक-आर्थिक सर्वेक्षण का कार्यक्रम शुरू किया है। सामाजिक न्याय की कल्पना को अस्वीकार करनेवालों ने नीतीश कुमार और उनकी सरकार के खिलाफ सुरंगें बनाना शुरू कर दिया है।

डॉ. आंबेडकर द्वारा ओबीसी के लिए अनुच्छेद 340 के तहत किए गए प्रावधान, राम मनोहर लोहिया का पिछड़ा पावे सौ में साठ मंत्र, पिछड़ों और अतिपिछड़ों के लिए कर्पूरी ठाकुर के प्रयासों को प्रत्यक्ष में लागू करने वाले नीतीश कुमार पहले मुख्यमंत्री हैं। जातिगत जनगणना उनके द्वारा लिया गया एक साहसिक निर्णय है। कर्पूरी ठाकुर ने सवर्णों के प्रति घृणा के तहत कभी कोई कार्य नहीं किया।

भावी पीढ़ी के लिए संसाधन बचाना जरूरी

डॉ. शशांक द्विवेदी

पिछले कुछ समय से पूरी दुनिया महंगाई और ऊर्जा संकट का सामना कर रही है। भारत तो अपनी जरूरत का 90 फीसदी क्रुड आयल दूसरे देशों से आयात करता है। ऐसे में हम अपनी ईंधन और ऊर्जा जरूरतों के लिए अभी भी दूसरे देशों पर निर्भर हैं। पिछले लगभग एक साल से यूक्रेन-रूस युद्ध चल रहा है। इस दरम्यान दुनियाभर में क्रुड आयल के दामों में तेजी की वजह से ईंधन की कीमतें बड़ी रहीं। इस युद्ध की वजह से अभी भी यूरोप बिजली, प्राकृतिक गैस और ऊर्जा संकट से जूझ रहा है। देश में बिजली की आपूर्ति कम पड़ रही है। भारत पिछले छह सालों में सबसे बड़े बिजली संकट से गुजरा था। देश में बिजली की मांग चालू वित्त वर्ष में करीब सात प्रतिशत बढ़कर 1,480 अरब यूनिट पहुंच जाने का अनुमान है।

हाल ही में रेटिंग एजेंसी इक्रा ने यह अनुमान जताते हुए कहा कि बीते वित्त वर्ष 2021-22 में अखिल भारतीय स्तर पर बिजली की मांग 1,380 अरब यूनिट रही थी। भारत करीब 200 गीगावॉट बिजली यानी करीब 70 प्रतिशत बिजली का उत्पादन कोयले से चलने वाले प्लांट्स से करता है, लेकिन ज्यादातर प्लांट्स बढ़ती हुई बिजली की मांग और कोयले की कमी की वजह से कम बिजली सप्लाई कर पा रहे हैं। देश के कोयले से चलने वाले बिजली प्लांट्स के पास पिछले 9 सालों में सबसे कम कोयले का भंडार बचा है। कोल इंडिया बिजली प्लांट्स के लिए रोजाना 16.4 लाख टन कोयले की सप्लाई कर रहा है, जबकि कोयले की मांग प्रतिदिन 22 लाख टन तक पहुंच गई है। इस संकट की एक और वजह है कोयले का आयात घटाना। दुनिया के दूसरे सबसे बड़े कोयला आयातक भारत ने पिछले कुछ वर्षों से लगातार अपना आयात घटाने की कोशिश की है। लेकिन इस दौरान घरेलू कोयला सप्लायर्स ने उतनी ही तेजी से अपना उत्पादन नहीं बढ़ाया है। इससे सप्लाई गैप पैदा हुआ। अब इस गैप को सरकार चाहकर भी नहीं भर सकती क्योंकि रूस-यूक्रेन युद्ध की वजह से इंटरनेशनल मार्केट में कोयले की कीमत 400 डॉलर यानी 30 हजार रुपये प्रति टन के रिकॉर्ड स्तर पर पहुंच गई है।

देश में कोयले के उत्पादन के अतिरिक्त सालाना करीब 20 करोड़ टन कोयला इंडोनेशिया, चीन और ऑस्ट्रेलिया से आयात होता है। लेकिन अक्टूबर, 2021 के बाद इन देशों से आयात घटना शुरू हो गया और अब भी इन देशों से आयात पूरी तरह प्रभावित है। इसका नतीजा यह हुआ कि बिजली कंपनियां कोयले के लिए अब पूरी तरह कोल इंडिया पर ही निर्भर हो गईं। किसी भी देश के आधारभूत विकास के लिए ऊर्जा का सतत और निर्बाध प्रवाह बहुत जरूरी है। देश मे प्रति व्यक्ति औसत ऊर्जा खपत वहां के जीवन स्तर की सूचक होती है। इस दृष्टि से दुनिया के देशों मे भारत का स्थान काफी नीचे है। देश की आबादी बढ़ रही है। बढ़ती आबादी के उपयोग के लिए और विकास को गति देने के लिए हमारी ऊर्जा की मांग भी बढ़ रही है। दुरुतगति से देश के विकास के लिए औद्योगीकरण, परिवहन और कृषि के विकास पर ध्यान देना होगा। इसके लिए ऊर्जा की आवश्यकता है। ऊर्जा के हमारे प्राकृतिक संसाधन बहुत ही सीमित हैं। खनिज तेल पेट्रोलियम, गैस, उत्तम गुणवत्ता के कोयले के हमारे प्राकृतिक संसाधन बहुत ही सीमित हैं। हमें बहुत-सा पेट्रोलियम आयात करना पड़ता है। हमारी विद्युत की मांग उपलब्धता से ज्यादा है।

वर्तमान परिस्थितियों में सभी तरह की ऊर्जाओं तथा ईंधन की बचत अत्यंत ही आवश्यक है। आज विद्युत ऊर्जा की जितनी मांग है उतनी पूर्ति नहीं हो पा रही है। हमारे विद्युत उत्पादन केंद्रों की उत्पादन क्षमता इतनी नहीं है कि बढ़ती हुई मांग की पूर्ति कर सकें। यह बात सिर्फ विद्युत के संबंध में ही नहीं, बल्कि पेट्रोलियम पदार्थों के संबंध में भी लागू होती है। हमें इन मुद्दों की ओर ध्यान देना होगा क्योंकि ऊर्जा के भंडार प्रकृति में सीमित हैं और हमें संभलकर आवश्यकतानुसार इनका उपयोग करना अनिवार्य है। साथ ही ऊर्जा बचत के उपायों को शीघ्रतापूर्वक और सख्ती से अमल में लाए जाने की जरूरत है। बचत चाहे छोटे स्तर पर क्यों न हो, जरूर कारगर होगी। आज हम संभल कर ऊर्जा के साधनों का इस्तेमाल करेंगे तो ही इनके भंडार भविष्य तक रह पाएंगे। बशर्ते देश का प्रत्येक नागरिक इस दिशा में जागरूक हो तथा हर संभव ऊर्जा बचत करे।

ऊर्जा हमारे जीवन की अनिवार्य आवश्यकता है, चाहे वह किसी भी रूप में हो। भोजन, प्रकाश, यातायात, आवास, स्वास्थ्य की मूलभूत आवश्यकताओं के साथ मनोरंजन, दूरसंचार, सुख संसाधन, पर्यटन जैसी आवश्यकताओं में भी ऊर्जा के विभिन्न रूपों ने हमारी जीवन शैली में अनिवार्य स्थान बना लिया है। इस सब में भी बिजली ऊर्जा वह प्रकार है जो सबसे सुगमता से हर कहीं सदैव हमारी सुविधा हेतु सुलभ है। यही कारण है कि अन्य ऊर्जा विकल्पों को बिजली में बदलकर ही उपभोग किया जाता है। ऊर्जा बचत में हम सबका सहयोग अत्यंत आवश्यक है। प्रकृति पर जितना अधिकार हमारा है उतना ही हमारी भावी पीड़ियों का भी, जब हम अपने पूर्वजों के लगाये वृक्षों के फल खाते हैं, उनकी संजोई धरोहर का उपभोग करते हैं तो हमारा नैतिक दायित्व है कि हम भविष्य के लिये भी प्राकृतिक संसाधनों को सुरक्षित छोड़ जायें।

चॉकलेट मस्तिष्क को स्वस्थ रखने में है सहायक

मस्तिष्क को स्वस्थ रखने में भी डार्क चॉकलेट सहायक है। डार्क चॉकलेट दिमाग की कार्यप्रणाली को बेहतर बना सकता है। अध्ययन के मुताबिक, लगभग 5 दिनों तक हाई फ्लेवनॉल कोको यानी डार्क चॉकलेट खाने से मस्तिष्क में रक्त प्रवाह में सुधार हो सकता है।

ब्लड प्रेशर में राहत

चॉकलेट को लेकर हुए अध्ययन के मुताबिक, डार्क चॉकलेट में फ्लेवनॉल्स पाया जाता है। फ्लेवनॉल्स शरीर में नाइट्रिक ऑक्साइड के उत्पादन को बढ़ाने के लिए धमनियों की परत को उत्तेजित करती है। नाइट्रिक ऑक्साइड धमनियों को आराम देता है और रक्त प्रवाह के प्रतिरोध को कम करने में सहायक होता है। जिसकी वजह से ब्लड प्रेशर का खतरा कम हो सकता है। कोको के बीज और डार्क चॉकलेट, रक्त प्रवाह और रक्तचाप के स्तर में सुधार कर सकते हैं।

प्यार ही नहीं सेहत के लिए भी फायदेमंद है चॉकलेट

अक्सर लोग चॉकलेट देकर अपनी भावनाएं जाहिर करते हैं। रिश्ते में मिठास और प्यार से जोड़कर चॉकलेट को देखा जाता है लेकिन चॉकलेट का नाता केवल प्यार से ही नहीं है, बल्कि चॉकलेट का रिश्ता सेहत से भी है। मीठी चॉकलेट सेहत के लिए भी काफी फायदेमंद है। स्वास्थ्य विशेषज्ञों के मुताबिक, दूध और अन्य चॉकलेट की तुलना में डार्क चॉकलेट खाना सेहत के लिए बेहतर विकल्प हो सकता है। डार्क चॉकलेट कई तरह के पोषक तत्वों से भरपूर है। डार्क चॉकलेट कोको के बीज से बनती है, जो एंटीऑक्सीडेंट के सबसे अच्छे स्रोतों में से एक है। ल डार्क चॉकलेट ह्रदय रोग के जोखिम को कम कर सकता है। चॉकलेट का सेवन आपके स्वास्थ्य में सुधार करता है।

कोलेस्ट्रॉल को करता है कम

शरीर में मौजूद एलडीएल कोलेस्ट्रॉल यानि बुरे कोलेस्ट्रॉल को कम करने में चॉकलेट बहुत फायदेमंद है। यह एलडीएल कोलेस्ट्रॉल को कम कर मोटापे व इसकी वजह से होने वाली अन्य बीमारियों को भी नियंत्रित करने में सहायक है। इसके अलावा एक रिसर्च के अनुसार चॉकलेट या चॉकलेट ड्रिंक का सेवन ह्रदय-रोग की संभावना को एक तिहाई कर देता है, और ह्रदय को स्वस्थ रखने में मदद करता है। वहीं एथिरोस्क्लेरोसिस एक प्रकार कर बीमारी है, जिसमें धमनियां अवरूद्ध हो जाती हैं। ऐसी स्थिति में चॉकलेट बेहद लाभदायक है।

चॉकलेट त्वचा के लिए है फायदेमंद

डार्क चॉकलेट त्वचा के लिए भी लाभकारी होती है। चॉकलेट में पाए जाने वाले बायोएक्टिव कंपाउंड त्वचा के लिए बहुत अच्छे हो सकते हैं। विशेषज्ञों के मुताबिक, डार्क चॉकलेट में पाए जाने वाले फ्लेवनॉल्स सूरज की किरणों से त्वचा की रक्षा करते हैं। त्वचा में रक्त प्रवाह में सुधार करने के लिए भी डार्क चॉकलेट असरदार है। साथ ही स्किन को हाइड्रेट बनाए रखने में भी डार्क चॉकलेट फायदेमंद है। त्वचा को स्वस्थ रखने और अंदरूनी पोषण के लिए चॉकलेट का इस्तेमाल किया जा सकता है।

हंसना मना है

लड़का- लड़की को अपनी कार में बिठा कर ले जा रहा था, लड़की- हम कहां जा रहे हैं? लड़का- लॉन्ग ड्राइव पर, लड़की- गजब, पहले क्यों नहीं बताया?

मास्टर जी- बताओ शून्य की खोज किसने की थी... गप्पू- आलिया भट्ट, आलिया भट्ट... गप्पू गुस्से में मुझसे मजाक करते हो... तभी एक लड़का बोला...सर वो तोतला है आर्यभट्ट कह रहा है...

डॉक्टर- तुम्हारी नब्ज तो ठीक चल रही है, बिल्कुल घड़ी की तरह, लड़की- अरे नहीं, आपने गलती से नब्ज की जगह मेरी घड़ी पर हाथ रख दिया है।

लड़की- मैं तुम्हारे लिए आग पर भी चल सकती हूं, नदी में कूद सकती हूं। लड़का- लव यू जानू, क्या तुम मुझसे अभी मिलने आ सकती हो, लड़की- पागल हो क्या इतनी धूप में कैसे आ सकती हूं। लड़की की बात सुनकर लड़के के तो होश ही उड़ गए।

पति- शादी के समय सात फेरे लेते वक्त तुमने वचन दिया था और स्वीकार किया था कि मेरी इज्जत करोगी, मेरी सब बात मानोगी। पत्नी- तो क्या इतने लोगों के सामने तुमसे बहस करती। बीवी की बात सुनकर पतिदेव हैरान रह गए।

कहानी: कबूतर और चींटी

गर्मियों का मौसम था, एक चींटी को बहुत तेज प्यासी लगी थी। वह पानी की खोज में यहां-वहां भटकने लगी। कुछ ही देर में वह एक नदी के पास पहुंच गई। लेकिन चींटी सीधे उस नदी में नहीं जा सकती थी। इस वजह से वह एक छोटे से पत्थर पर चढ़ गई और वहीं से झुककर नदी का पानी पीने की कोशिश करने लगी। जैसे ही चींटी पानी पीने के लिए नीचे की तरफ झुकी वह नदी में गिर पड़ी। उसी नदी के किनारे एक पेड़ पर बैठा कबूतर यह सब देख रहा था। उसे चींटी की हालत पर दया आ गई और उस कबूतर ने चींटी को बचाने की योजना बनाई। उसने जल्दी से पेड़ की डाली से एक पत्ता तोड़कर नदी के पानी में बह रही चींटी के पास फेंक दिया। चींटी उस पत्ते पर चढ़कर बैठ गई और जब वह पत्ता नदी के किनारे पहुंचा, तो वह पत्ते से कूदकर जमीन पर आ गई। चींटी ने अपनी जान बचाने के लिए कबूतर को धन्यवाद किया और वहां से चली गई। कुछ दिनों के बाद उसी नदी के किनारे एक शिकारी आया। उसने कबूतर के घोंसले के पास अपना जाल बिछा दिया। जाल पर दाने फैलाकर वह पास के एक झाड़ी में छिपकर बैठ गया। कबूतर शिकारी और उसके जाल को नहीं देख सका। उसने जमीन पर जब दाना देखा, तो वह उसे चुगने के लिए नीचे उतर गया और शिकारी के जाल में फंस गया। उसी समय चींटी भी वहां आ गई थी। उसने कबूतर को शिकारी के जाल में फंसता हुआ देख लिया था। बेचारा कबूतर लाख प्रयास करने के बाद भी शिकारी के जाल से नहीं निकल पाया। इसके बाद शिकारी आया और जाल में फंसे कबूतर को उठाकर चलगे लगा। तभी चींटी ने कबूतर की जान बचाने का फैसला किया। चींटी दौड़ती हुई आई और उसने शिकारी के पैर में काटना शुरू कर दिया। चींटी के काटने के कारण शिकारी को बहुत तेज दर्द होने लगा। उसने जाल को नीचे फेंक दिया और अपना पैर साफ करने लगा। इसी बीच मौका पाते ही कबूतर जाल से निकल गया और वह तेजी से उड़ गया। इस तरह चींटी ने कबूतर की जान बचा ली।

7 अंतर खोजें

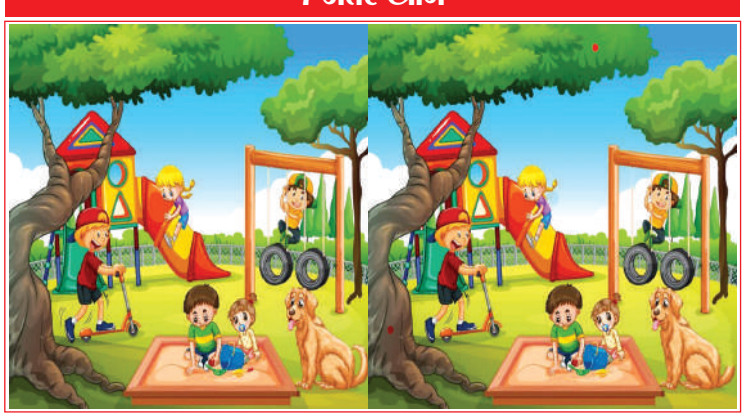

जानिए कैसा रहेगा कल का दिन

पंडित संदीप आत्रेय शास्त्री

लेखक प्रसिद्ध ज्योतिषविद हैं। सभी प्रकार की समस्याओं के समाधान के लिए कॉल करें-9837081951

मेष

आज परिवार में खुशी का माहौल रहेगा, ये खुशी आपकी जॉब लगने की भी हो सकती है। आपका आत्मविश्वास भी बढ़ेगा। ऑफिस में बॉस से शाबाशी मिल सकती है।

वृषभ

कार्य स्थल पर विवाद समाप्त होने से शांति एवं सुख बढ़ेगा। प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। वाणी पर नियंत्रण अतिआवश्यक है। खोई हुई वस्तु मिल सकती है।

मिथुन

धार्मिक भावनाओं के चलते आप किसी तीर्थस्थल की यात्रा करेंगे और किसी संत से कुछ दैवीय ज्ञान प्राप्त करेंगे। सिर्फ अक्लमंदी से किया गया निवेश ही फलदायी होगा।

कर्क

आज का दिन उतार-चढ़ाव भरा रहेगा। कोई भी बड़ा फैसला लेने से पहले घर के बड़ों की सलाह जरूर लें। दोस्त के साथ मिलकर कोई नया कारोबार शुरू कर सकते हैं।

सिंह

आज आपको अपने स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहने की आवश्यकता है। दिन के कामों को सेहत बाधित कर सकती है। जीवनसाथी का सहयोग और प्यार मिलेगा।

कन्या

आपको चिंतामुक्त होकर अपने क़रीबी दोस्तों और परिवार के बीच खुशी के लम्हे तलाशने की ज़रूरत है। आपका प्यार न सिर्फ़ परवान चढ़ेगा, बल्कि नई ऊंचाइयों को भी छूएगा।

तुला

आज का दिन सामान्य रहेगा। ऑफिस में उच्च अधिकारियों का सहयोग मिलेगा, प्रमोशन के योग बन रहे हैं। आज विवादों में पड़ने से बचें वरना बात सुलझने के बजाय उलझ सकती है।

वृश्चिक

आज कुछ लोगों के लिए आकस्मिक यात्रा तनावपूर्ण रहेगी। आज का दिन थोड़ा उबाऊ सकता है, इसलिए कोई रचनात्मक कार्य करके दिन को रोचक बना सकते हैं।

धनु

आप खुद को ऊर्जा से सराबोर महसूस करेंगे- लेकिन काम का बोझ आपमें खीज पैदा करेगा। आपकी ज्ञान की प्यास आपको नए दोस्त बनाने में मददगार साबित होगी।

मकर

आज कामकाज में कई दिनों से चल रही परेशानी खत्म होगी। आज आप व्यवस्थित अंदाज और एकाग्रता से काम लेंगे। आपके सारे काम आसानी से बन जाएंगे।

कुम्भ

आज के दिन कार्यालय का माहौल बढ़िया बना रहेगा। आपको उपहार और सम्मान मिलेगा। आपकी अपेक्षा के अनुसार वित्तीय लाभ प्राप्त करना आपको काफी संतुष्ट कर सकता है।

मीन

आज का दिन मौज-मस्ती और आनन्द से भरा रहेगा क्योंकि आप जिन्दगी को पूरी तरह जिएंगे। कोई ऐसा रिश्तेदार जो बहुत दूर रहता है, आज आपसे संपर्क कर सकता है।

बॉलीवुड | मन की बात

लोग खुद तय कर सकते हैं कि मैं भाजपाई हूं या नहीं : राजामौली

एसएस राजामौली के निर्देशन में बनी ब्लॉकबस्टर फिल्म आरआरआर का डंका देश से लेकर विदेश तक बज रहा है। इस फिल्म को जितने लोगों की तारीफे मिल रही हैं, उतनी ही इसके साथ कॉन्सपिरेसी भी जुड़ी हैं। सभी को पता है, आरआरआर दो तेलुगू स्वतंत्रता सेनानियों के जीवन पर आधारित एक फिक्शनल स्टोरी है। इसके बावजूद कुछ नेटिजन्स ने फिल्म पर राजनीतिक एजेंडे पर बने होने का भी आरोप लगाया था। कुछ लोगों के द्वारा सोशल मीडिया पर लगे इस आरोप के बाद फिल्म की खूब आलोचनाएं भी हुई थीं। इतना ही नहीं कई लोगों ने एसएस राजामौली पर भी भाजपा के एजेंडे का समर्थन करने का आरोप लगाया था। अब इन आरोपों पर एसएस राजामौली का रिएक्शन सामने आया है। एक इंटरनेशनल मीडिया संस्थान के साथ हाल ही में हुए एक इंटरव्यू में, फिल्म निर्माता एसएस राजामौली ने भाजपा के एजेंडा को सपोर्ट करने के आरोपों पर अपनी प्रतिक्रिया दी है। राजामौली ने कहा अपने ऊपर लगे आरोपों के बारे में बात करते हुए कहा, मेरे ऊपर भाजपा या भाजपा के एजेंडे लगे आरोप लगाने वाले उन लोगों को मैं एक और बात बताना चाहता हूं, जब हमने पहली बार भीम के शुरुआती कैरेक्टर को डिजाइन करना शुरू किया था, तब मैंने उसे मुस्लिम के रूप में दिखाया। उसके बाद, एक भाजपा नेता ने आरआरआर दिखाने वाले सिनेमाघरों को जलाने की धमकी दी, और कहा कि अगर हमने टोपी नहीं हटाई तो वह मुझे सड़क पर मारेंगे। इसलिए लोग खुद तय कर सकते हैं कि मैं भाजपा वाला हूं या नहीं। एसएस राजामौली ने अपनी बात को पूरी करते हुए कहा, मैं उग्रवाद से नफरत करता हूं, चाहे वह भाजपा हो, मुस्लिम लीग हो या जो भी हो। मैं समाज के किसी भी वर्ग में अतिवादी लोगों से नफरत करता हूं। यह सबसे अच्छा एक्सप्लेनेशन है जो मैं अपने बारे में दे सकता हूं।ह्यह्यह्यह्य

पीयूष मिश्रा ने की रणबीर कपूर की जमकर तारीफ

पीयूष मिश्रा ने रणबीर कपूर के बारे में कुछ दिलचस्प खुलासे किए हैं। उनका कहना है कि रणबीर काफी बातूनी स्वभाव के हैं, वो अक्सर डर्टी टॉक्स करते हैं। पीयूष के मुताबिक, रणबीर सेट पर काफी मस्ती मजाक करते हैं। पीयूष ने रणबीर की तारीफ करते हुए कहा है कि वो काफी उम्दा एक्टर हैं और उनके साथ बात करने में काफी मजा आता है। पीयूष ने रणबीर के साथ रॉकस्टार में काम किया था। एक रिसेंट इंटरव्यू में पीयूष मिश्रा ने रॉकस्टार और तमाशा से जुड़ी यादों को शेयर किया। उन्होंने कहा, रणबीर बहुत अच्छा लड़का है। वो जादुई इंसान है, कभी-कभार बेशर्मी वाली बात करता है, साजिशें भी करता है। उसके साथ बातचीत करने में काफी मजा आता है। तमाशा के डायरेक्टर इम्तियाज अली के बारे में उन्होंने कहा, इम्तियाज मेरा पुराना साथी है, तमाशा में तीन दिन की शूटिंग होनी थी लेकिन मैंने उसे एक दिन में खत्म कर दिया था।

फिल्म तमाशा में पीयूष मिश्रा एक स्टोरीटेलर की भूमिका में थे। वहीं रॉकस्टार में भी उनकी अहम भूमिका थी। फिल्म में उनकी और रणबीर की अच्छी जुगलबंदी देखने को मिली थी।

पीयूष मिश्रा ने इस इंटरव्यू में अभय देओल और अनुराग कश्यप के बीच हो रहे जुबानी जंग पर भी बात की। उन्होंने कहा- मैंने दोनों को जानता हूं, दोनों की अपनी-अपनी समझ है। अनुराग को समझाना जरा मुश्किल काम है, लेकिन उसके बारे में स्टेटमेंट पास कर देना सही नहीं होगा। अभय भी बहुत सुलझा हुआ आदमी है। वो हर एक चीज नाप तोल के बोलता है। उसे अपने स्टारडम का बहुत ख्याल है, उसका मानना है कि वो अपने नाक पर मक्खी भी नहीं बैठने देना चाहता है। देव डी के समय इन दोनों के बीच कुछ पंगे हुए होंगे। रणबीर कपूर और श्रद्धा कपूर की स्टारर फिल्म तू झूठी मैं मक्कार 8 मार्च को रिलीज हो रही है। इस फिल्म के जरिए रणबीर काफी समय बाद एक प्रॉपर रोमांटिक फिल्म कर रहे हैं। फिल्म का डायरेक्शन लव रंजन ने किया है। इस फिल्म के जरिए श्रद्धा कपूर भी काफी दिनों बाद वापसी कर रही हैं।

बॉलीवुड | मसाला

मैं चाहती हूं जो प्यार तुनिषा को मिला, वो मुझे भी मिले: मनुल

साे तुनिषा शर्मा को गुजरे 2 महीने से ज्यादा हो गए हैं, लेकिन अभी भी उनकी मौत की गुत्थी सुलझ नहीं पाई है। अब जो खबरें हैं उसके मुताबिक, उनके शो अली बाबा दास्तान-ए-काबुल में मेकर्स ने नई मरियम ढूंढ ली है। तुनिषा शर्मा के रिप्लेसमेंट के तौर पर एक्ट्रेस मनुल चुडासमा को कास्ट किया गया है। इस दौरान मनुल का कहना है कि वो मरियम के किरदार को नए विजन से लेकर आएंगी। उन्होंने कहा कि वो तुनिषा की जगह कभी नहीं ले सकती बस ऑडियंस से इतना चाहती हैं कि जो प्यार तुनिषा को मिला वहीं प्यार उन्हें भी मिले। मेरे ख्याल से रिप्लेस शब्द कहना सही नहीं होगा-मनुल अब शो अली बाबा दास्तान-ए-काबुल में राजकुमारी मरियम का किरदार निभाएंगी। मनुल का कहना है तुनिषा के दुनिया छोड़ देने के बाद लोगों का इस किरदार से अलग अटैचमेंट हो गया है। उन्होंने कहा, इस शो का हिस्सा बनना मेरे लिए बड़ी बात है, मैं इसके लिए शो के मेकर्स का आभार व्यक्त करना चाहूंगी। जब उनसे तुनिषा शर्मा की जगह लेने पर सवाल किया तो उन्होंने कहा,मेरे ख्याल से रिप्लेस शब्द का इस्तेमाल करना सही नहीं होगा। मैं तुनिषा की जगह नहीं ले सकती बस इसको एक नए विजन के साथ ला रही हूं। मनुल चुडासमा इससे पहले एक थी रानी, एक था रावण में लीड रोल में नजर आई थीं। ये उनका डेब्यू सीरियल था। इसके अलावा उन्होंने तेनालीराम और बृज का गोपाल जैसे सीरियल्स में भी काम किया है। अली बाबा के रूप में नई चुनौती के बारे में बात करते हुए बोलीं, काम करने को लेकर मेरे अंदर कोई खास घबराहट नहीं है। बल्कि मैं इस शो का पार्ट बनकर काफी रोमांचित हूं। ये चौथा शो है जिसमें मैं लीड रोल प्ले कर रही हूं।

अजब-गजब | मध्य प्रदेश के खंडवा में ओंकारनाथ मंदिर का मामला

इस मंदिर में चौसर खेलते हैं माता पार्वती और भगवान शिव

आज महाशिवरात्रि है। महाशिवरात्रि के दिन भगवान शिव के मंदिरों में भक्तों की भारी भीड़ लगती है। इस दिन लोग महादेव की विशेष पूजा अर्चना करते हैं। भारत में भगवान शिव के कई रहस्मयी और चमत्कारी मंदिर हैं। इनके रहस्य देखकर लोग हैरान रह जाते हैं। ऐसा ही एक चमत्कारी मंदिर है, जिसके बारे में मान्यता है कि भगवान शिव और माता पार्वती हर दिन तीनों लोगों का भ्रमण करने के बाद यहीं आकर विश्राम करते हैं और चौसर भी खेलते हैं। यह मंदिर है खंडवा का ओंकारेश्वर मंदिर। भगवान शिव का यह मंदिर 12 ज्योतिर्लिंगों में चौथा ज्योतिर्लिंग है। ओंकारेश्वर मंदिर मध्यप्रदेश के इंदौर शहर के पास स्थित है।

नर्मदा नदी के मध्य ओमकार पर्वत पर स्थित ओंकारेश्वर ज्योतिर्लिंग मंदिर हिंदुओं की आस्था का केंद्र है। भगवान शिव का यह चमत्कारी मंदिर मध्यप्रदेश के निमाड़ में है। यह खंडवा जिले के नर्मदा नदी के बीचो-बीच ओंकार पर्वत पर स्थित है। माना जाता है कि यहां ? शब्द की उत्पत्ति ब्रह्मा जी के श्रीमुख से हुई थी। इसलिए हर धार्मिक शास्त्र या वेदों का पाठ ? शब्द के साथ किया जाता है। ओंकारेश्वर की महिमा का उल्लेख पुराणों में स्कंद पुराण,

शिवपुराण और वायुपुराण में भी है। साथ ही यहां शिवलिंग की आकृति ? के आकार की है। इसी कारण इस ज्योतिर्लिंग को ओंकारेश्वर के नाम से जाना जाता है। ऐसी मान्यता है कि यह एकमात्र ज्योतिर्लिंग है, जहां भगवान भोलेनाथ तीन लोकों का भ्रमण कर रात में यहां विश्राम करने आते हैं। यहां माता पार्वती भी विराजित हैं। माना जाता है कि रात शयन से पहले भगवान शिव और माता पार्वती यहां चौसर खेलते हैं। इसी वजह से यहां शयन आरती भी की जाती है। शयन आरती के बाद ज्योतिर्लिंग के सामने रोज चौसर-पांसे की बिसात सजाई जाती है। इस मंदिर में रात में शयन आरती के बाद गर्भ गृह में कोई भी नहीं जाता। शयन आरती के बाद रोज रात को भगवान शिव के सामने चौसर और पांसे रख दिए जाते हैं। सुबह जब मंदिर के द्वार खोले जाते हैं तो पासे उल्टे मिलते हैं। ओंकारेश्वर मंदिर में भगवान शिव की गुप्त आरती की जाती है जहां पुजारियों के अलावा कोई भी गर्भ गृह में नहीं जा सकता। पुजारी भगवान शिव का विशेष पूजन एवं अभिषेक करते हैं।

ऐसा माना जाता है कि हिंदुओं में सभी तीर्थों के दर्शन पश्चात ओंकारेश्वर के दर्शन और पूजन का विशेष महत्व है। शिवभक्त सभी तीर्थों का जल लाकर ओंकारेश्वर में अर्पित करते हैं, तभी सारे तीर्थ पूर्ण माने जाते हैं। ओंकारेश्वर और अमलेश्वर दोनों शिवलिंगों को ज्योतिर्लिंग माना जाता है। ऐसी मान्यता है कि यहां पर्वतराज विंध्य ने घोर तपस्या की थी। तपस्या के बाद उन्होंने भगवान शिव से प्रार्थना कर कहा के वे विंध्य क्षेत्र में स्थिर निवास करें उसके बाद भगवान शिव ने उनकी यह बात स्वीकार कर ली। वहां एक ही ओंकार लिंग दो स्वरूपों में बंटी है। इसी प्रकार से पार्थिव मूर्ति में जो ज्योति प्रतिष्ठित हुई थी, उसे ही परमेश्वर अथवा अमलेश्वर ज्योतिर्लिंग कहते हैं।

दुनिया का सबसे अद्भुत देश, जहां नहीं पाया जाता कोई भी सांप

दुनिया के हर देश और हर द्वीप पर सांप जरूर पाए जाते हैं लेकिन आज हम आपको एक ऐसे देश के बारे में बताने जा रहे हैं जहां एक भी सांप नहीं पाय जाता। ये जानकर आपको हैरानी जरूर हो रही होगी, लेकिन ये बात बिल्कुल सच है कि आयरलैंड दुनिया का एक मात्र ऐसा देश हैं जहां सांप नहीं पाए जाते हैं। इस देश में आखिर ऐसा है क्या? जिसकी वजह से यहां सांप नहीं पाए जाते तो चलिए आपको इसकी वजह बताते हैं। इससे पहले आपको बता दें कि ब्राजील को सांपों के देश के तौर भी जान जाता है। क्योंकि ब्राजील में इतने सांप हैं, जितने दुनिया में आपको कहीं और देखने को नहीं मिलेंगे। लेकिन आयरलैंड ठीक उसका उल्टा है। जहां एक भी सांप नहीं पाया जाता। बता दें कि आपको ये जानकर हैरानी होगी कि आयरलैंड में मानव जाति के होने के सबूत 12800 ई. पू. से भी पहले के हैं। इसके अलावा आयरलैंड की एक और खास बात है कि यहां एक ऐसा बार है, जो सन् 900 में खुला था और यह आज भी चल रहा है। इसका नाम सीन्स बार है। आयरलैंड के बारे में कहा जाता है कि आज के समय में धरती पर जितने भी ध्रुवीय भालू जीवित हैं, अगर उनके पूर्वजों का पता लगाने की कोशिश करें तो ये सभी आयरलैंड में 50 हजार साल पहले जीवित एक भूरी मादा भालू के बच्चे हैं। आयरलैंड में सांपों के न पाए जाने की एक पौराणिक कथा प्रचलित है। ऐसा कहा जाता है कि आयरलैंड में ईसाई धर्म की सुरक्षा के लिए सेंट पैट्रिक नामक एक संत ने एक साथ पूरे देश के सांपों को घेर लिया था और उसके बाद उन्हें इस आइलैंड से निकाल कर समुद्र में फेंक दिया। ऐसा कहा जाता है कि उन्होंने 40 दिन भूखे पेट रहकर इस काम को पूरा किया था। हालांकि, वैज्ञानिक इस बात से इत्तेफाक नहीं रखते। उनका कहना है कि आयरलैंड में कभी सांप थे ही नहीं। जीवाश्म अभिलेख विभाग में ऐसा कोई भी रिकॉर्ड दर्ज नहीं है, जिससे यह पता चले कि आयरलैंड में कभी सांप थे। उनका कहना है कि आयरलैंड में सांपों के न होने को लेकर यह कहानी भी प्रचलित है कि यहां पहले सांप पाए तो जाते थे, लेकिन अत्यधिक ठंड के कारण वो विलुप्त हो गए। इसीलिए तब से यह माना जाने लगा कि सांप ठंड के कारण ही यहां नहीं रहे।

कांग्रेस के बिना विपक्ष का कोई भी गठबंधन विफल : जयराम रमेश

» पूर्ण सत्र में चुनाव पूर्व गठबंधन और चुनाव बाद गठबंधन पर चर्चा करेंगे

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। वरिष्ठ नेता जयराम रमेश ने कहा कांग्रेस के बिना कोई भी गठबंधन विफल हो जाएगा। अगर फिर भी विपक्ष का कोई भी गठबंधन होता है तो वह सफल नहीं होगा। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता ने कहा कि पार्टी के महाधिवेशन में राज्यों में गठबंधन के साथ-साथ 2024 में होने वाले आम चुनाव पर चर्चा होगी। कांग्रेस नेता जयराम रमेश ने कहा, कि कांग्रेस के बिना कोई विपक्षी गठबंधन नहीं हो सकता है और कांग्रेस के बिना कोई भी गठबंधन विफल हो जाएगा, लेकिन पूर्ण सत्र में कांग्रेस चुनाव पूर्व गठबंधन और चुनाव बाद गठबंधन दोनों पर चर्चा करेगी।

रमेश ने कहा कि यह झूठा प्रचार है कि कांग्रेस गठबंधन के विचार के खिलाफ है। हम केरल, तमिलनाडु, महाराष्ट्र, झारखंड, बिहार और पूर्वोत्तर के कुछ राज्यों में गठबंधन में हैं। उन्होंने कहा कि कांग्रेस समान विचारधारा वाली पार्टियों को साथ लेने की कोशिश कर रही है और बजट सत्र में विपक्ष ने संयुक्त रूप से कुछ को छोड़कर अडानी हिंडनबर्ग रिपोर्ट में जेपीसी की मांग की।

कांग्रेस अकेले भाजपा सरकार से नहीं लड़ सकती: वेणुगोपाल

कांग्रेस महासचिव केसी वेणुगोपाल ने सोमवार को विपक्षी एकता की आवश्यकता पर बल देते हुए कहा कि कांग्रेस 2024 के लोकसभा चुनावों में नरेंद्र मोदी सरकार से अकेले नहीं लड़ सकती। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि भाजपा विरोधी वोटों के बंटने की संभावना को कम करने के लिए विपक्षी दलों की एकता एक आवश्यक मानदंड है। कांग्रेस महासचिव ने कहा कि कांग्रेस विपक्षी एकता के बारे में समान रूप से चिंतित है। राहुल गांधी और मल्लिकार्जुन खरगे ने कई मौकों पर ठीक ही कहा है कि मौजूदा हालात में कांग्रेस अकेले इस सरकार से नहीं लड़ सकती। कांग्रेस किसी भी कीमत पर लड़ेगी, लेकिन हमें इस लोकतंत्र विरोधी, तानाशाह सरकार के खिलाफ लड़ने के लिए विपक्षी एकता की जरूरत है। इन ताकतों के खिलाफ लड़ने के लिए विपक्षी एकता की जरूरत है। वेणुगोपाल ने कहा, कांग्रेस इसके लिए बहुत उत्सुक है।

असदुद्दीन ओवैसी के घर पर हमला

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। दिल्ली के अशोका रोड स्थित ओवैसी के आवास पर कुछ अज्ञात लोगों ने हमला किया है। हमले के बाद असदुद्दीन ओवैसी ने दिल्ली पुलिस में शिकायत दर्ज कराई जिसके बाद एडिशनल डीसीपी ने उनके आवास का दौरा किया। पुलिस सबूत इकट्ठा कर रही है।

असदुद्दीन ओवैसी ने अपने दिल्ली स्थित आवास पर हमला होने के बाद पुलिस में शिकायत दर्ज कराई, जिसके बाद दिल्ली पुलिस के आला अधिकारी मौके पर पहुंच गए हैं। ओवैसी के अनुसार उन्होंने रात में लौटने के बाद पाया कि उनके आवास पर पत्थर फेंके गए हैं।

ओवैसी ने संसद मार्ग पुलिस स्टेशन में अपनी शिकायत में आरोप लगाया है कि उपद्रवियों के एक समूह ने उनके आवास पर पथराव किया और खिड़कियों को क्षतिग्रस्त कर दिया। ओवैसी ने कहा,मैं रात 11:30 बजे अपने आवास पर पहुंचा तो मैंने खिड़कियों के शीशे टूटे हुए और चारों ओर पत्थर पड़े हुए पाए। मेरे नौकर ने बताया कि बदमाशों के एक समूह ने शाम करीब 5:30 बजे निवास पर पत्थर फेंके।

बुलंदशहर : मुठभेड़ में 1.25 लाख का इनामी डकैत ढेर

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

बुलंदशहर। एसटीएफ नोएडा यूनिट और थाना गुलावठी पुलिस की संयुक्त टीम को बड़ी कामयाबी मिली है। टीम ने गुलावठी इलाके में मुठभेड़ एक बदमाश को मार गिराया। मृतक की शिनाख्त साहब सिंह उर्फ सुनील सिंह निवासी गांव सजेती जसराना जनपद फिरोजाबाद के रूप में हुई है।

मुठभेड़ में ढेर बदमाश साहब सिंह

बताया गया कि इस पर जनपद गोंडा से एक लाख और बुलंदशहर पुलिस ने 25 हजार का इनाम घोषित किया हुआ था। बदमाश घरों में डकैती और उसी दौरान हत्या करने वाले घुमंतू जनजाति गैंग का सदस्य था। थाना डिबाई में 11-8-19 को डकैती के रजिस्टर्ड गैंग D-14 गैंग का भी सक्रिय सदस्य है।

इन घटनाओं को दिया था अंजाम

- 18 अगस्त 2001 को थाना कोतवाली नगर गोंडा इलाके में घर में घुसकर साथियों के साथ डकैती डाली थी। जिसमें घर के सभी 14 लोगों को गंभीर रूप से घायल कर दिया था। उनमें से दो बच्चों समेत कुल पांच लोगों की मौके पर ही मौत हो गई थी।
- 19 दिसंबर 2006 को थाना छर्रा अलीगढ़ क्षेत्र में घर में घुस कर दो लोगों की हत्या कर डकैती की वारदात को अंजाम दिया था।
- 20 सितंबर 2014 को थाना कोतवाली नगर बुलंदशहर इलाके में घर में घुसकर मारपीट करके सोने चांदी के जेवर, डबल बैरल बंदूक आदि लूट लिया था।
- 20 अक्तूबर 2014 को थाना डिबाई इलाके में घर में घुसकर मारपीट कर घायल करके जेवर, बंदूक आदि लूट लिया था।

उप्र स्टाम्प व निबंधन अधिकारी संघ की बैठक

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। उप्र स्टाम्प व निबंधन अधिकारी संघ ने एक बैठक निबंधन भवन लखनऊ में आयोजित की। संघ के सचिव धीरेंद्र कुमार सैनी ने बताया कि बैठक में बिना किसी नियम के निबंधन अधिकारियों को निलंबित करने व संबद्धीकरण करने के मामले पर चर्चा की गई। इसके अतिरिक्त अधिकारियों की मनमानी पर आपत्ति जताई गई।

संघ ने कहा कि बिना मुख्यमंत्री को संज्ञान में लिए अधिकारियों के मध्य सत्र में तबादले किए गए जबकि यह स्थानातंरण नीति का उल्लंघन है। अपने मनपंसद प्रभारी व सब रजिस्ट्रारों को निबंधन कार्यलयों में तैनाती की जा रही है। 50 वर्षों में पहली बार इतने बड़े पैमाने पर निलंबन व संबद्धीकरण की कार्यवाही की गई। संघ ने मांग की है उच्च न्यायालय के पारित आदेश के बाद कोई दंडात्मक कार्यवाही की जाए। संघ ने गोंडा व गाजियाबाद के अधिकारियों को बिना जांच के निलंबन पर भी आपत्ति की है।

भाजपा की कौसर बनीं दिल्ली हज कमेटी की अध्यक्ष

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। दिल्ली हज कमेटी को नया अध्यक्ष मिल गया है। भारतीय जनता पार्टी की कौसर जहां को इस कमिटी के अध्यक्ष के रूप में चुना गया है। दिल्ली सचिवालय में यह चुनाव कराया गया जहां समिति के सदस्यों के डाले 5 वोट में से 3 वोट कौसर जहां के पक्ष में पड़े। इससे पहले हज कमेटी का अध्यक्ष आम आदमी पार्टी का था। यह हार आप के लिए बड़ा झटका है।

कौसर जहां

कौसर जहां हज कमिटी की अध्यक्ष बनने वाली दूसरी महिला हैं। इससे पहले ताजदार बाबर इस कमिटी की अध्यक्ष बनने वालीं दूसरी महिला थीं। इन सबके बीच क्या आपको पता है कि आम आदमी पार्टी को हरा हज कमिटी की अध्यक्ष बनीं बीजेपी की कौसर जहां कौन हैं।

कौन है कौसर जहां

भाजपाकी कौसर जहां सामाजिक क्षेत्र में काफी आगे रहती हैं। शायद यही वजह रही कि उन्हें इस समिति में शामिल किया गया है। कौसर जहां भाजपा में कई सालों से हैं। वहीं कौसर जहां भारतीय जनता पार्टी के महिला मोर्चा की पदाधिकारी हैं। अब वह दिल्ली हज कमेटी की अध्यक्ष चुनी गई हैं।

किस-किस का वोट मिला?

कौसर जहां को 5 में से 3 वोट मिले। कौसर जहां को वोट देने वालों में बीजेपी सांसद गौतम गंभीर और मोहम्मद साद शामिल थे। इसके अलावा कौसर का खुद का वोट भी गिना गया है। वहीं कांग्रेस की ओर से पार्षद नाजिया दानिश ने दिल्ली हज कमिटी अध्यक्ष के चुनाव के मतदान में हिस्सा नहीं लिया। जीतने के बाद कौसर जहां ने कहा- पीएम मोदी की सरकार ने मुस्लिम समुदाय के अधिकारियों के लिए लड़ाई लड़ी। तीन तलाक पर प्रतिबंध के बाद से मुस्लिम महिलाएं सुरक्षित महसूस कर रही हैं। हज पर जाने वालों की परेशानी कम करने पर काम करना हम सबकी जिम्मेदारी है। उसी के अनुसार, मामले निपटाए जाएंगे।

डब्ल्यूटीसी फाइनल के करीब पहुंचा भारत

ऑस्ट्रेलिया से दो मैच जीतकर टीम इंडिया के हौसले बुलंद

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

दुबई। भारत ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ बॉर्डर गावस्कर ट्रॉफी के दूसरे टेस्ट में जीत के साथ आईसीसी वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप (डब्ल्यूटीसी) फाइनल के लिए क्वालीलिफाई करने के और करीब पहुंच गया। ऑस्ट्रेलिया हार के बावजूद तालिका में 66.67 प्रतिशत पॉइंट के साथ शीर्ष पर है जबकि भारत ने दिल्ली टेस्ट में मिली जीत से खुद के और तीसरे स्थान की टीम के बीच अंतर बढ़ा दिया है। उसका 64.06 प्रतिशत हो गया है।

53.33
प्रतिशत के साथ स्टैंडिंग में तीसरे स्थान पर है वर्तमान में श्रीलंका

दिल्ली में दूसरे टेस्ट के नतीजे से फाइनल के लिए पहुंचने के लिए दौड़ में बनी टीमें चार से तीन हो गई हैं। साउथ अफ्रीका इस दौड़ से बाहर हो गया है। वह टॉप-2 में पहुंचने के लिए जरूरी प्रतिशत अंक की पहुंच से बाहर हो गया है। इससे चुनौती देने वाली एकमात्र टीम श्रीलंका है, जिसके 53.33 % अंक हैं। श्रीलंका को अगले महीने न्यूजीलैंड में दो टेस्ट मैचों की सीरीज खेलनी है और अगर क्वॉलिफाई करने की उम्मीद रखनी है तो उसे दोनों मैच जीतने होंगे। श्रीलंका वर्तमान में 53.33 प्रतिशत के साथ स्टैंडिंग में तीसरे स्थान पर है और उसे फाइनल में पहुंचने के लिए सीरीज के दोनों मुकाबलों में जीत चाहिए होगी। अगर ऐसा होता है तो भारत को इंदौर टेस्ट में जीत चाहिए होगी। अगर भारत होल्कर स्टेडियम में जीतने में सफल होता है तो वह जून में ओवल में होने वाले फाइनल के लिए क्वॉलिफाइ कर लेगा।

Contact for
Grills, Railing, Gate, Tin Shade,
Stairs and other fabrication

V K FABRICATOR
5/603 Vikas Khand, Gomti Nagar Lucknow -226010
Mob : 9918721708

भाजपा नेता के बेटे ने शादी का झांसा देकर किया बलात्कार, पुलिस नहीं दर्ज कर रही एफआइआर

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। एक बलात्कार पीड़िता ने अपनी जान की गुहार लगाई है। पीड़िता ने पुलिस कमिश्नर लखनऊ को पत्र लिखकर अपनी जान को खतरा बताया है। साथ ही उसने एफआईआर दर्ज करने की भी गुजारिश की है। रोहितास प्लूमेरिया गोमती नगर विस्तार व मूल निवासी रेल बाजार कानपुर की युवती जो कि मैट्रो में कार्यरत है, ने आरोप लगाया कि गोमनीनगर नगर विस्तार निवासी दिव्य ज्योति शुक्ला पुत्र राजेन्द्र नारायण शुक्ला 5/582 गोमतीनगर निकट सिटी मांटेसरी स्कूल ने उनसे शादी का झांसा देकर उसके साथ बलात्कार किया।

पीड़िता ने बताया कि दिव्य ज्योति शुक्ला ने उससे पहले दोस्ती कि फिर जब वह एक बार दिल्ली गई तो वहां पर दिव्य भी पुहंचा।

- पुलिस कमिश्नर से पीड़िता ने जान बचाने की लगाई गुहार
- कहा-प्रेमी ने शादी का झांसा देकर किया दुराचार
- राजनीतिक रसूख के दम पर युवती को दी मारकर गायब करने की धमकी

वहां दिव्य ने उसे होटल में मिलने को बुलाया फिर कॉफी में नशा मिला कर पिला दिया फिर बलात्कार किया और अश्लील वीडियो बना ली। लखनऊ आने पर वह उसे ब्लैकमेल करने लगा आये दिन उसके साथ बलात्कार करता रहा। साथ ही कहा कि जल्द ही शादी करेगा। पीड़िता ने बताया कि जब मैंने दिव्य को जानकारी दी की वह गर्भवती है तो उसने अपने परिवार से मिलाया। इस मामले पर जब आरोपी बाप-बेटे से जब संपर्क किया गया तो उनका फोन नहीं उठा।

जबरदस्ती करवाया गर्भपात

परिवार के लोगों ने कहा कि वह गर्भपात करवा ले तो उसकी अप्रैल 2023 में शादी करवा देंगे। वह तैयार होकर डॉक्टरों के पास पहुंची डॉक्टरों ने गर्भपात करने से मना कर दिया। बाद में दिव्य के परिवार में उसके पिता व बड़े भाई ने उसे फिर कानपुर बुलाया। वहां पर 22 दिसंबर 2022 को लाइफ केयर हॉस्पिटल में जबरदस्ती उसका गर्भपात करवाया और डरा धमका कर भगा दिया। दिव्य व उसके परिवार वालों के राजनीतिक रसूख के दम पर उसे धमकी दी कि आवाज उठाई तो मार कर गायब करवा दी जाएगी। पीड़िता ने बताया कि उसे दस दिन पहले जानकारी मिली कि दिव्य की शादी 22 फरवरी को किसी युवती से होने जा रही है इस बाबत जब दिव्य से बात की तो उसने मुझे जान से मारने की धमकी दी। पीड़िता ने बताया कि मैंने गोमतीनगर थाने में एफआईआर करवाने की कोशिश की पर मेरी रिपोर्ट नहीं लिखी गई।

> “ पीड़ित अभी न तो थाने आयी है और न ही कोई तहरीर दी है हमें इस प्रकरण की अभी तक कोई जानकारी नहीं मिली है।
>
> –वीरेन्द्र विक्रम एसीपी, गोमतीनगर विस्तार

पटना में भीड़ ने की आगजनी पुलिस व मीडियाकर्मी को पीटा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

पटना। पटना के नदी थाना क्षेत्र के जेठुली गांव में सोमवार को एक बार फिर से तनाव भड़क गया है। रविवार को दर्जनों राउंड फायरिंग और आगजनी की घटना के बाद उपद्रवियों ने सोमवार सुबह फिर घर में आग लगा दी।

बताया जा रहा है कि भीड़ ने एक मीडियाकर्मी को भी पीटा और उसका कैमरा तोड़ दिया। आक्रोशित भीड़ ने मौके पर पहुंची पुलिस बल को भी खदेड़ दिया। उपद्रवियों पर काबू पाने के दौरान एक एएसआई भी जख्मी हो गया है। कुछ घरों में लूटपाट की बात भी सामने आ रही है।

बताया जा रहा है कि रविवार को फायरिंग में दो लोगों की मौत के बाद आक्रोशित भीड़ ने सोमवार को पुलिस पर फिर से पथराव किया है। मुख्य आरोपित सहित दो दर्जन से अधिक लोगों की तलाश में पुलिस जुटी है। अब तक आठ लोगों को गिरफ्तार किया गया है।

पार्किंग को लेकर हुआ संघर्ष

बता दें कि नदी थाना क्षेत्र के जेठुली गांव में रविवार को दो पक्षों में टकराव की शुरुआत दोपहर करीब 1:30 बजे हुई। दोनों पक्षों के घर आसपास हैं। पुलिस की मानें तो जेठुली गांव के बिट्टू कुमार, उमेश राय व बच्चा राय के बीच गंगा घाट के किनारे ट्रैक्टर पार्किंग को लेकर कहासुनी और गाली-गलौज हो रही थी। इसी बीच दूसरे पक्ष (उमेश राय) के लोग लाठी-डंडा और हथियार से लैस होकर पहुंच गए और पहले पक्ष (बिट्टू कुमार) के लोगों पर फायरिंग कर दी।

तीन आईएएस व 14 पीसीएस अफसर किये गये स्थानांतरित

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। उत्तर प्रदेश शासन ने सोमवार सुबह तीन आईएएस और 14 पीसीएस अधिकारियों के तबादले कर दिए हैं। सूत्रों के अनुसार कई जिलों के जिलाधिकारी व कप्तान बदले जा सकते हैं। नौकरशाही में बड़े फेरबदल की संभावना है। गोंडा के सीडीओ पद से हटाए गए आईएएस गौरव कुमार को एलडीए में ओएसडी बनाया गया है। प्रतीक्षारत आईएएस अनुज मलिक को अपर आयुक्त और आरएफसी गोरखपुर तथा राज्य संपत्ति विभाग में तैनात आईएएस सतीश पाल को एसीईओ नोएडा के पद पर नियुक्ति दी गई है।

एडीएम नमामि गंगे संजय पांडेय को एडीएम प्रशासन शाहजहांपुर के पद पर नियुक्ति दी गई है। एसडीम रायबरेली अशोक सिंह को एडीएम नमामि गंगे

झांसी व सिटी मजिस्ट्रेट उन्नाव विजेता को एडीएम भूमि अध्यासि कानपुर नगर बनाया गया है। इसी तरह एसडीएम विनय गुप्ता को सिटी मजिस्ट्रेट उन्नाव व ओएसडी प्रयागराज प्राधिकरण अभिनव रंजन श्रीवास्तव को एडीएम वित्त एवं राजस्व संतकबीरनगर नियुक्त किया गया है। एडीएम वित्त एवं राजस्व संत कबीर नगर मनोज सिंह को अपर आयुक्त वाराणसी के पद पर तैनाती दी गई है। शामली में एसडीएम विशु राजा व गाजियाबाद में एसडीएम हिमांशु वर्मा को ओएसडी ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण बनाया गया है। एसडीएम बाराबंकी प्रिया सिंह को ओएसडी लखनऊ विकास प्राधिकरण नियुक्त किया गया है। एडीएम न्यायिक रामपुर राजनारायण को उपसंचालक चकबंदी गोरखपुर, सिटी मजिस्ट्रेट मेरठ अमरेश कुमार को अपर नगर आयुक्त मेरठ, एसडीएम हरदोई राहुल कश्यप विश्वकर्मा को सिटी मजिस्ट्रेट मेरठ, लखनऊ विकास प्राधिकरण में ओएसडी अमित कुमार राठौर को सीआरओ मऊ व अभय कुमार पांडेय सीआरओ मऊ को अपर आयुक्त मिर्जापुर बनाया गया है।

गौरव कुमार एलडीए में ओएसडी

भारत जोड़ो यात्रा से हताश है भाजपा : बघेल

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

रायपुर। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने कोयला लेवी धनशोधन मामले में जारी जांच के तहत सोमवार को कांग्रेस नेताओं से जुड़े परिसरों सहित छत्तीसगढ़ में कई स्थानों पर छापेमारी की। अब इस मसले पर राज्य के मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने बीजेपी पर हमला बोला।

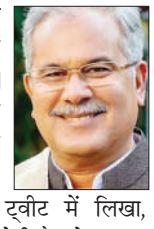

उन्होंने अपने एक ट्वीट में लिखा, छत्तीसगढ़ प्रदेश कांग्रेस कमेटी के कोषाध्यक्ष, पार्टी के पूर्व उपाध्यक्ष और एक विधायक सहित मेरे कई साथियों के घरों पर आज ईडी ने छापा मारा है। चार दिनों के बाद रायपुर में कांग्रेस का महाधिवेशन है। तैयारियों में लगे साथियों को इस तरह रोककर हमारे हौसले नहीं तोड़े जा सकते।

छत्तीसगढ़ : सर्च अभियान के दौरान नक्सली हमला, दो जवान शहीद

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

रायपुर। छत्तीसगढ़ के राजनांदगांव में बड़ी नक्सली घटना सामने आई है। नक्सली हमले में दो जवान शहीद हो गए हैं, पूरा मामला राजनांदगांव जिले के बोरतलाव थाना इलाके का है, जहां बोरतलाव थाने से लगे गोंदिया महाराष्ट्र बॉर्डर पर स्थित चेक पोस्ट पर ड्यूटी के दौरान अचानक जंगल से पहुंचे नक्सलियों ने जवानों पर फायरिंग कर दी। हमले में दो जवान शहीद हो गए है, जिसमें जवानों की पहचान राजेश हवलदार और ललित आरक्षक के रूप में हुई है।

डीएसपी नक्सल ऑपरेशन अजीत ओंगरे ने बताया कि सुबह लगभग आठ से 8.30 बजे के करीब

जवानों को बोरतलाव थाना इलाके के बोरतलाव गोंदिया बॉर्डर पर मोबाइल चेक पोस्ट लगाया गया था। वाहनों की चेकिंग की जा रही थी। इस दौरान अचानक नक्सलियों ने फायरिंग शुरू कर दी। फायरिंग में दो जवान शहीद हो गए, नक्सलियों द्वारा मोटरसाइकिल को भी आग के हवाले किया गया है। वहीं इसकी सूचना मिलते ही अतिरिक्त बल को मौके के लिए रवाना किया गया है। पूरे मामले की जांच की जा रही है। फिलहाल नक्सली कितनी की संख्या में थे और घटनाक्रम को किस तरीके से अंजाम दिया गया, इसकी जानकारी पुलिस द्वारा जुटाई जा रही है।

सीएम भूपेश बघेल ने की कड़ी निंदा

मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने नक्सली हिंसा में दो जवानों की शहादत पर दुख प्रकट किया है। उन्होंने नक्सली हमले की घटना की कड़ी निंदा की है। बघेल ने शहीदों के परिजनों के प्रति संवेदना प्रकट करते हुए कहा है कि पुलिस जवानों की शहादत व्यर्थ नहीं जाएगी।

स्वामी, मुद्रक एवं प्रकाशक **बबिता चतुर्वेदी** के लिए **4पीएम** आस्था प्रिंटर्स, 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ (यूपी) से मुद्रित एवं प्रकाशित। **प्रधान संपादक**- अर्चना दयाल, **संपादक** - संजय शर्मा, **विधि सलाहकार**: सत्यप्रकाश श्रीवास्तव, मोहम्मद हैदर, **वित्तीय सलाहकार**: संदीप बंसल, **कार्टूनिस्ट**: हसन जैदी, **दूरभाष**: 0522- 4078371 | **Email**: daily4pm@gmail.com | **website**: www.4pm.co.in | **RNI-UPHIN/2015/62233** डाक पंजी. सं- SSP/LW/NP-495/2018-2020
*इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी। समस्त विवाद लखनऊ न्यायालय के अधीन ही होंगे।